देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 213 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 27 नवंबर 2021

विचार–प्रवाह...देरी को लेकर असाधारण सख्ती

पारिवारिक पार्टियां लोकतंत्र के लिए खतरनाक

संविधान दिवसः पीएम मोदी ने परिवारवाद पर कसा तंज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। संविधान सभा के मौके पर आज संसद भवन में विशेष कार्यक्रम ओयाजित किया गया। इसमें राष्ट्रपति, उप–राष्ट्रपति, लोकसभा स्पीकर समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित हुए। कांग्रेस, आरजेडी, लेफ्ट, टीएमसी, आरजेडी, शिव सेना, एनसीपी, सपा, आईयूएमएल, और डीएमके सेमत करीब 14 राजनीतिक पार्टियों ने इस कार्यक्रम का बहिष्कार करने की घोषणा की है। इस बात की संभावना है कि कांग्रेस के साथ दूसरे विपक्षी दल भी इसमें शामिल नहीं हुए।

डिजिटल संस्करण जारीः राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने संविधान सभा की चर्चाओं का डिजिटल संस्करण जारी किया और संवैधानिक लोकतंत्र पर आधारित ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने संविधान की प्रस्तावना को पढ़ने में देश का नेतृत्व किया।

उप–राष्ट्रपति का संबोधनः वैंकेया नायडू ने इस दिन को बेहद खास बताया। इस दिन एक विचार को संविधान के रूप में साकार किया गया था। अपने संबोधन में उन्होंने डाक्टर राजेंद्र प्रसाद का भी जिक्र किया।

‘वेट एंड वाच’ का फैसला

भारत ने काबुल मिशन को लेकर अफरातफरी में कोई निर्णय करने के बजाय ‘वेट एंड वाच’ का फैसला किया है। भारत को अफगानिस्तान में बनने वाली नई तालिबान सरकार के स्वरूप और उसके रुख पर सतर्कतापूर्वक निगाह रखकर अपने हितों के अनुकूल फैसला करना चाहिए, न कि अमेरिका और यूरोप की जुगलबंदी का गैरजरूरी हिस्सा बनना चाहिए।

पीएम ने परिवारवाद का मतलब बताया

पीएम मोदी ने कहा, जब मैं कहता हूं पारिवारिक पार्टियां। इसका मतलब मैं यह नहीं कहता हूं कि एक परिवार से एक से ज्यादा लोग राजनीति में न आएं.. योग्यता के आधार पर.. जनता के आशीर्वाद से.. किसी परिवार से एक से अधिक लोग राजनीति में जाएं.. इससे पार्टी परिवारवादी नहीं बन जाती है। राजनीतिक दल पार्टी फॉर द फैमिली, पार्टी बाय द फैमिली.. और आगे कहने की जरूरत मुझे नहीं लगती है। उन्होंने जापान का जिक्र करते हुए कहा कि वहां भी पहले कुछ परिवारों का शासन था। बाद में किसी ने इसके खिलाफ बिगुल फूंका, आम लोगों को तैयार किया तो चीजें बदल गईं।

भ्रष्टाचार पर वारः पीएम मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार में सजा पाने के बावजूद केवल अपने राजनीतिक लाभ के लिए केवल अपने हितों को साधने के लिए उनसे नाता जोड़ा जाता है तो इसका गलत संदेश जाता है। इससे चिंता स्वाभाविक है।

संविधान एक दस्तावेजः संविधान दिवस की शुरुआत यदि पहले की गई होती तो बेहतर होता। इससे देश के लोगों को इसके बारे में पता चलता। हमें इस दिवस को शुरू करने का मौका मिला। पीएम ने कहा कि वर्ष 2015 में जब इसकी शुरुआत की गई थी तब भी इसको लेकर विरोध की आवाज उठी थी। कहा गया था कि संविधान दिवस कहां से ले आए। लेकिन आज इस तरह की आवाज नहीं सुनी जाएगी।

आज मुश्किल होता संविधान का निर्माणः विभिन्न दिक्कतों के साथ देश को एक सूत्र में पिरोना बेहद मुश्किल था। आज शायद यदि इसको लिखा जाता तो एक पेज भी मुश्किल होता। देश के संविधान निर्माण करने वालों ने राष्ट्रहित में अपना सहयोग दिया।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में 26/11 का उल्लेख किया और इस दौरान उन लोगों को नमन किया जिन्होंने इन आतंकियों को रोकने में अपनी जान गंवा दी।

लोकतांत्रिक कैरक्टर खो चुके लोग, लोकतंत्र की रक्षा कैसे करेंगे?

पीएम ने कहा कि संविधान की भावना को चोट पहुंची है। संविधान की एक–एक धारा को भी चोट पहुंची है, जब राजनीतिक दल अपने आप में अपना लोकतांत्रिक कैरक्टर खो देते हैं। जो दल स्वयं में लोकतांत्रिक कैरक्टर खो चुके हों, वह लोकतंत्र की रक्षा कैसे कर सकते हैं। आज देश में कश्मीर से कन्याकुमारी.. हिंदुस्तान के हर कोने में जाइए, भारत ऐसे संकट की तरफ बढ़ रहा है, जो संविधान को समर्पित लोगों के लिए चिंता का विषय है। लोकतंत्र के प्रति आस्था रखने वालों के लिए चिंता का विषय है। पार्टी की सारी व्यवस्था परिवारों के पास रहे, वह लोकतंत्र के स्वस्थ लोकतंत्र के लिए संकट होता है।

संक्षिप्त समाचार

15 दिसंबर से शुरू होंगी अंतरराष्ट्रीय उड़ाने

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। देश में जल्द ही सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को फिर से शुरू कर दिया जाएगा। पिछले साल 23 मार्च से भारत में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें निलंबित हैं, लेकिन अब केंद्र सरकार ने विदेश यात्राओं के लिए उड़ानों को फिर शुरू करने का मन बना लिया है। जानकारी के मुताबिक दिसंबर के तीसरे हफ्ते यानी 15 दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू कर दी जाएंगी।

भारत को समिट फार डेमोक्रेसी का मिला निमंत्रण

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत को अमेरिका की बाइडन सरकार द्वारा किए जा रहे समिट आफ डेमोक्रेसीज कार्यक्रम का निमंत्रण मिला है। सूत्रों ने जानकारी दी कि वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि 9 से 10 दिसंबर को अमेरिका की बाइडन सरकार एक वर्चुअल शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने को तैयार है।

जो घोषणाएं की जा रही हैं, उन्हें पूरा भी जरूर किया जाएगा: सीएम

सीएम ने श्री सेमनागराजा त्रिवार्षिक मेला एवं जात्रा सेममुखेम में किया प्रतिभाग

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद के प्रतापनगर के सेम– मुखेम स्थित गड़वागीसौड़ मैदान में आयोजित श्री सेमनागराजा त्रिवार्षिक मेला एवं जात्रा सेममुखेम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने श्री सेमनागराजा को नमन करते हुए कहा कि जब से श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने है तब से भारत का पूरे विश्व में वर्चस्व बढ़ा है। आज पूरी दुनिया योग को स्वीकार करती है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ही जाता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की पूरी दुनिया में एक नई पहचान बन रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के द्वारा हमारे राज्य में भी धार्मिक पर्यटन सहित राज्य की आर्थिकी को बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्य किये जा रहे है। प्रदेश में

चारधाम यात्र मार्ग का निर्माण एवं रेलवे लाइन निर्माण जैसे प्रमुख कार्य इसका उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जब हमारे राज्य को 25 वर्ष होंगे तब हमारा राज्य एक युवा राज्य होगा। डबल इंजन की सरकार उत्तराखण्ड को देश का एक सर्वश्रेठ राज्य बनाने के लिए दृढ़ संकल्प है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य सेवक का पदभार संभालने के बाद मेरे द्वारा राज्य हित व जनहित में अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिए गये हैं। राज्य का वित्तीय आंकलन करने के बाद ही राज्य हित व जनहित में निर्णय लिये जाते हैं तथा घोषणाएं की जाती है। उन्होंने कहा कि जो घोषणाएं की जा रही हैं, उन्हें पूरा भी जरूर किया जाएगा।

मुख्यमंत्री धामी ने मेले में देव डोलियों का आशिर्वाद लिया तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉलों का भी निरीक्षण किया।

13 साल बाद भी नहीं मिली दोषियों को सजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई हमला

■भारत ने पाकिस्तान उच्चायोग के राजनयिक को किया तलब

नई दिल्ली। मुंबई हमलों की 13वीं बरसी पर भारत ने पाकिस्तान उच्चायोग के राजनयिक को तलब किया है। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि मुंबई हमले के 13 साल बाद भी दोषियों को सजा नहीं मिली है। मुंबई हमले के आरोपी अभी भी खुलेआम पाकिस्तान में घूम रहे हैं। बता दें कि 26 नवंबर, 2008 को पाकिस्तान से लश्कर–ए–तैयबा के 10 आतंकवादी समुद्री मार्ग से भारत पहुंचे थे और उन्होंने यहां कई जगहों पर हमलों को अंजाम दिया। इन हमलों में 18 सुरक्षा कर्मियों सहित 166 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

राजनयिक को भेजे गए समन में विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान को आतंकवाद पर अपनी प्रतिबद्धता याद दिलाते हुए कहा है कि वह अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में आतंकी गतिविधियों को अनुमति बिलकुल भी ना दे। इसमें कहा गया है, यह गहरे दुख की बात है कि इस जघन्य आतंकी हमले के 13 साल बाद भी दुनिया भर के 15 देशों के 166 पीड़ितों के परिवारों को अभी तक न्याय का इंतजार है। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में नाकाम रहा है।

एमईए ने दावा किया है कि इस आतंकी हमले की साजिश पाकिस्तान में रची गई और वहीं से आतंकियों को सभी निर्देश दिए गए। बयान में आगे कहा गया है, हम एक बार फिर पाकिस्तान सरकार से दोहरा मापदंड छोड़ने और भीषण हमले के साजिशकर्ताओं को न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान करते हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, यह केवल आतंकियों का शिकार हुए निर्दोष पीड़ितों के परिवारों के प्रति पाकिस्तान की जवाबदेही का मामला नहीं है, बल्कि यह उसका एक अंतरराष्ट्रीय दायित्व भी है।

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact: **Gadoli Media Ventures**
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

बोत्सवाना वेरियेंट से दुनियाभर में हड़कंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चीन तिआनवेंडियान हाइवे को चौड़ा कर रहा है

केपटाउन। अब तक लाखों लोगों की जान ले चुके कोरोना वायरस के एक नए वेरिएंट से दुनियाभर में दहशत का माहौल है। शेयर बाजार धड़ाम हो रहे हैं और दुनियाभर की सरकारें चेतावनी दे रही हैं। दक्षिण अफ्रीका से लेकर हॉन्ग कॉन्ग तक सामने आए इस कोरोना के इस नए रूप को बोत्सवाना वेरिएंट नाम दिया जा रहा है। माना जा रहा है कि अफ्रीकी देश बोत्व्सवाना में सबसे पहले इस वेरिएंट के मामले सामने आए थे। इसे नू वेरिएंट भी कहा जा रहा है। इसे वेरिएंट के आने के बाद जहां लोग घबराए हुए हैं, वहीं विशेषज्ञ अभी धैर्य रखने की सलाह दे रहे हैं।

अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ मेरिलैंड के चर्चित विशेषज्ञ फहीम यूनूस कहते हैं, आप दक्षिण अफ्रीका के कोरोना के नए वेरिएंट से घबराए हुए हैं ? यह जानिए कि अभी हम यह नहीं जानते हैं कि यह बहुत ज्यादा जानलेवा है या नहीं। बहुत ज्यादा संक्रमण फैलाने वाला है या नहीं या इम्युनिटी को मात दे सकता है या नहीं। कृपया और ज्यादा तथ्यों का इंतजार करें।